कठिन

जासूस

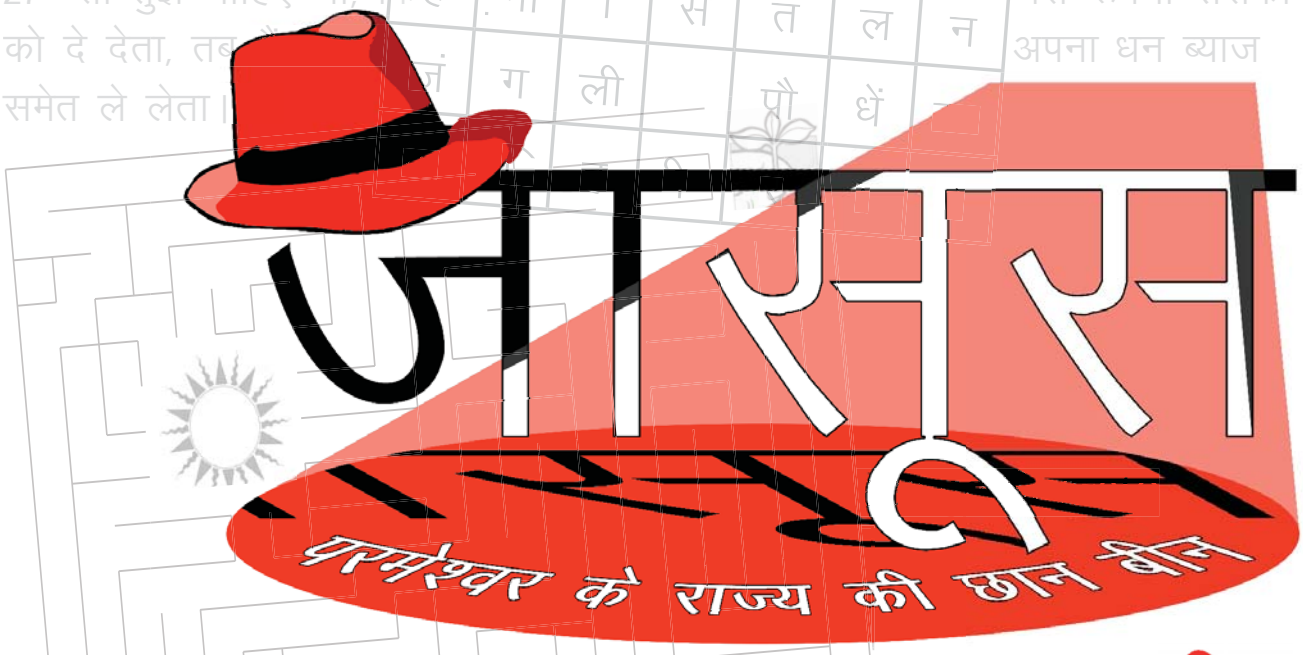

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

कठिन

छात्र पुस्तक
कठिन

अपने मैग्निफाईंग ग्लास (अति सुक्ष्म दर्शी) और गुप्त डिकोडर को ले लें क्योंकि...

यह समय परमेश्वर के वचन में उतरने का है।

यीशु द्वारा मत्ती की पुस्तक में दिये दृष्टान्त हमेशा से मेरे मुख्य भाग रहे हैं। एक तरफ तो यह कार्य हमारे द्वारा किये कार्यों में अति साधारण हैं, परन्तु यदि आप यीशु के दृष्टान्तों के विषय में सोचें तो उनमें छिपे संदेशों में कुछ भी साधारण न था। यीशु ने भीड़ से दृष्टान्तों के स्वरुप में (पहेलियों) बातें की और लोगों को उसकी शिक्षाओं का अर्थ समझा दिया।

शिक्षक होने के नाते आपका कार्य है कि छात्रों की सोच को पंख लगने दें, कि वे उड़ें और स्वयं को एक जासूस समझें।

जितना अधिक आप छात्रों को उनकी स्वतन्त्र सोच से खोजने देगें, वे उतना ही अधिक गहराई से प्रत्येक अध्याय को समझेगें।

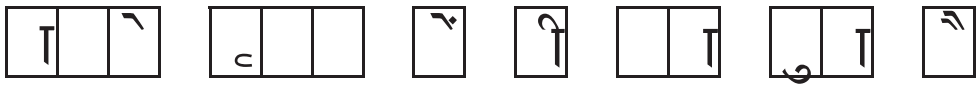

इस पाठ्यक्रम में, ''जासूसः परमेश्वर के राज्य की छानबीन'' आपको अपनी कक्षा के अध्ययन को सफल बनाने हेतु कुछ एक भिन्न बातों को करना होगा –

परमेश्वर का राज्य कहाँ है?

ा		े		ि			े	ी			ा	ु	ा	ें

हर सप्ताह एक गुप्त कोड पन्ने पर कहीं तो छिपा हुआ होगा। आपके गुप्त डिकोडर से आप को उसकी जांच करनी होगी और प्रत्येक अक्षर का पता लगाओ और पहेली का हल निकालो। प्रत्येक खाने में प्रत्येक सप्ताह में के अक्षर को जोड़ें और इस इकाई के अंत में, आपको आपका जवाब मिल जाएगा!

यीशु के पदचिह्नों को ढूंढ़ो और जब आपको मिल जाएं इसका अनुसरण करो!

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

पदचिन्ह 1

❖

बीज बोनेवाला

मत्ती 13:3–23

3 और उस ने उन से दृष्टान्तों में बहुत सी बातें कही, कि देखो, एक बोनेवाला बीज बोने निकला। 4 बोते समय कुछ बीज मार्ग के किनारे गिरे और पक्षियों ने आकर उन्हें चुग लिया। 5 कुछ पत्थरीली भूमि पर गिरे, जहां उन्हें बहुत मिट्टी न मिली और गहरी मिट्टी न मिलने के कारण वे जल्द उग आए। 6 पर सूरज निकलने पर वे जल गए, और जड़ न पकड़ने से सूख गए। 7 कुछ झाड़ियों में गिरे, और झाड़ियों ने बढ़कर उन्हें दबा डाला। 8 पर कुछ अच्छी भूमि पर गिरे, और फल लाए, कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना। 9 जिस के कान हों वह सुन ले।।

शब्द ढूंढ़ों

बोना सूरज सुनना
बीज जड़ गए
मार्ग कांटों

ब	द	उ	ि	ह	ी	बी
अ	इ	ए	क	सु	म	ज
कां	टों	ा	स	न	सू	ड़
म	त	न	बो	ना	र	क
ज	ल	प	र	ा	ज	६
मा	र्ग	व	ी	ग	ए	ण
ब	अ	स	इ	द	उ	ए

गुप्त संदेश

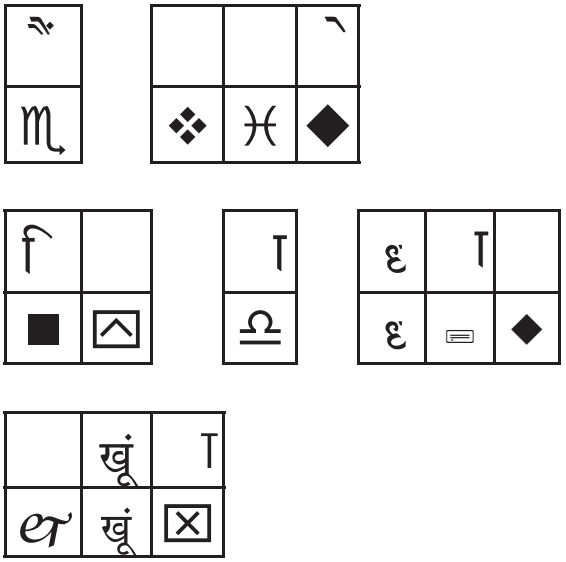

ॅ
♏

		े
❖	♓	◆

ि	
■	⍓

ा
♎

६	ा	
६	⌨	◆

	खूं	ा
ℯ	खूं	☒

चाबी

📪 ⌨ 🕯 ☢ ♍ ♎ ♏ ♑ ♓ ℯ ● ■ ☠ □ ▣ ✈ ❐ ◆ ❖ ☒ ⍓ ☞ ☺ 💣 ♦ →

याद करो

जो अच्छी भूमि में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनकर समझता है, और फल लाता है कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना।

मत्ती 13:23

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती 2

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

चाबी

पदचिन्ह 2

⓪

जंगली पौधे

मत्ती 13:24–30

24 उस ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया कि स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिस ने अपने खेत में अच्छा बीज बोया। 25 पर जब लोग सो रहे थे तो उसका बैरी आकर गेहूं के बीच जंगली बीज बोकर चला गया। 26 जब अंकुर निकले और बालें लगी, तो जंगली दाने भी दिखाई दिए। 27 इस पर गृहस्थ के दासों ने आकर उस से कहा, हे स्वामी, क्या तू ने अपने खेत में अच्छा बीज न बोया था? फिर जंगती दाने के पौधे उस में कहां से आए? 28 उस ने उन से कहा, यह किसी बैरी का काम है। दासों ने उस से कहा क्या तेरी इच्छा है, कि हम जाकर उन को बटोर लें?

गुप्त संदेश

`		
☙	⑥	❺

		`			
⓪	①	☙	☎	⑥	①

ी
☙

	च `
❷	✋

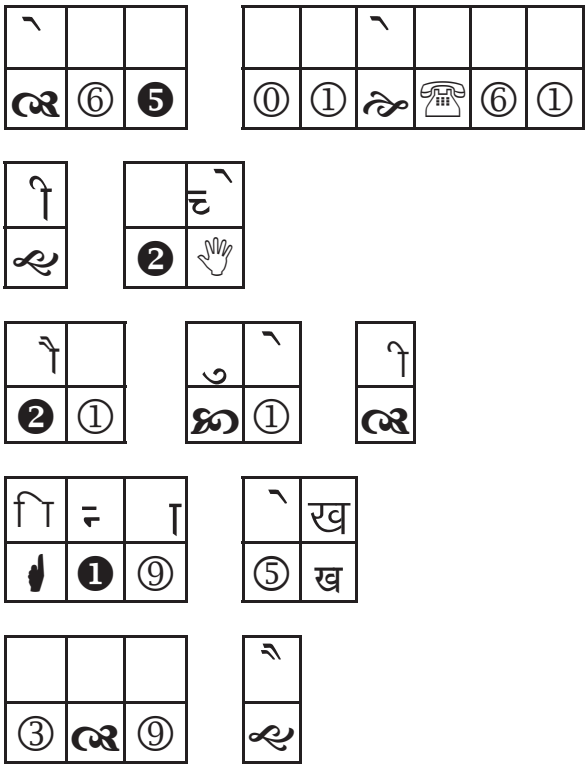

ी	
❷	①

ृ	`
☙	①

ी
☙

ि ा	ॽ	ा
☝	❶	⑨

`	ख
⑤	ख

③	☙	⑨

`
☙

शब्द ढूंढ़ों

ब	अ	बी	ज	उ	अ	ए
क	ट	नी	इ	द	ट	ण
क	ब	ी	ख	य	छा	गे
ि	ढ़	र	त्ते	म	ज	हूँ
ह	ना	ा	स	त	ल	न
जं	ग	ली	ा	पौ	धें	स्व
क	ि	ह	ी	र	ा	र्ग

अच्छा	कटनी
खत्ते	गेहूँ
बीज	स्वर्ग
बढ़ना	जंगली पौधें

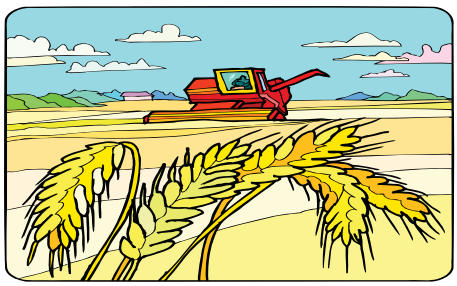

याद करो

मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों को और कुकर्म करनेवालों को इकट्ठा करेंगे। मत्ती 13:41

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती 4

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती 2

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

पदचिन्ह 3

राई का दाना

मत्ती 13:31–32

31 उस ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया; कि स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। 32 वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है, कि आकाश के पक्षी आकर उस की डालियों पर बसेरा करते हैं।।

गुप्त संदेश

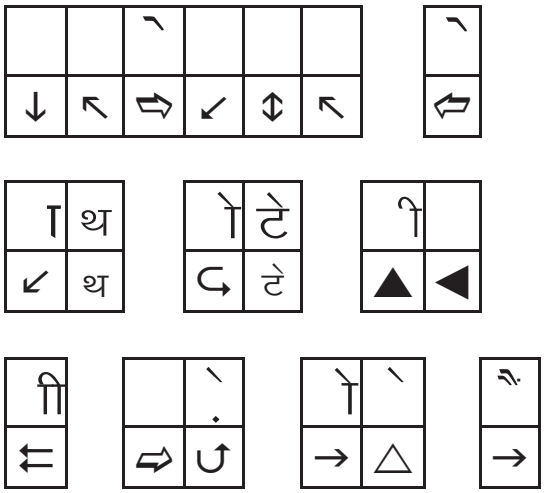

परमेश्वर आपसे प्यार करता है!

भूलभुलैया

एक बीज से शुरू होकर एक बड़ा सा पेड़ बनने तक का रास्ता ढूंढों। अपने बीज को जल और धूप देना न भूलना!

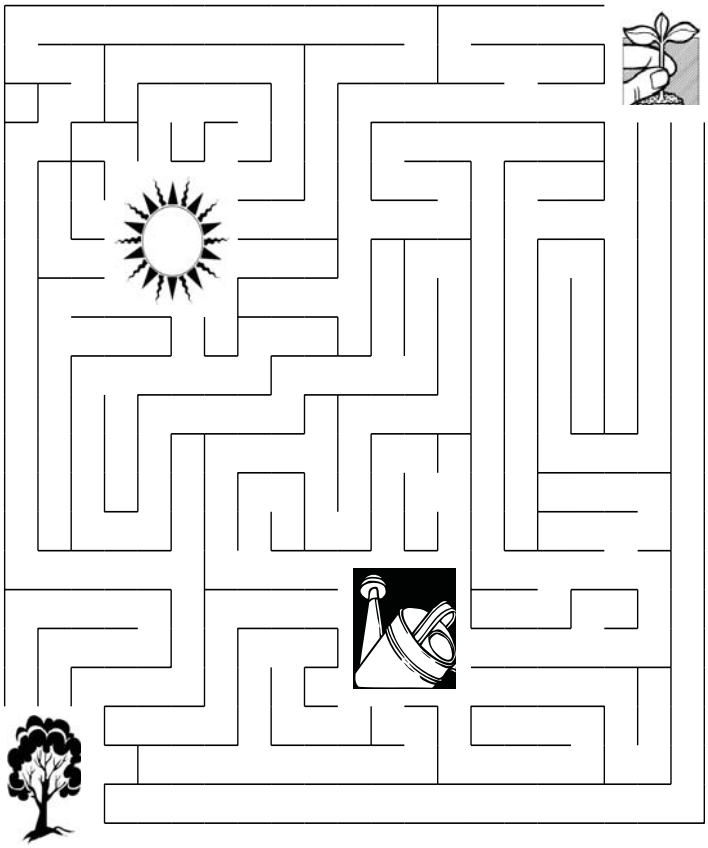

कुंजी

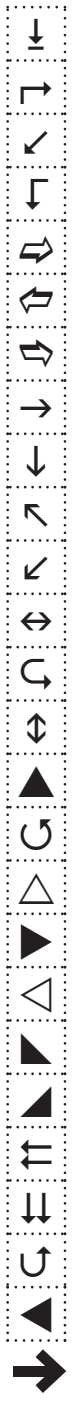

याद करो

जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग पात से बड़ा होता है

मत्ती 13:31–32

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती 5

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती 4

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस
परमेश्वर के राज्य की छान बीन

आप महत्वपूर्ण हो!

चाबी

पदचिन्ह 4
खमीर

मत्ती 13:33–35

33 उस ने एक और दृष्टान्त उन्हें सुनाया; कि
स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिस को
किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला
दिया और होते होते वह सब खमीर हो गया।।
34 ये सब बातें यीशु ने दृष्टान्तों में लोगों से
कहीं, और बिना दृष्टान्त वह उन से कुछ न
कहता था। 35 कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा
कहा गया था, वह पूरा हो कि मैं दृष्टान्त कहने
को अपना मुंह खोलूंगा: मैं उन बातों को जो
जगत की उत्पत्ति से गुप्त रही हैं प्रगट करूंगा।।

गुप्त संदेश

शब्द ढूंढ़ो

ब	स्	त्री	ब	अ	आ	टा
अ	व	इ	द	उ	ए	ण
इ	र्ग	क	ि	ह	ी	दृ
द	ण	र	ा	स	य	ष
उ	क	रा	ज	य	व	टां
ए	ि	ह	ी	र	ा	त
छु	पा	त	ज	ल	न	प

आटा
राज्य
स्वर्ग
छुपा
स्त्री
दृष्टांत

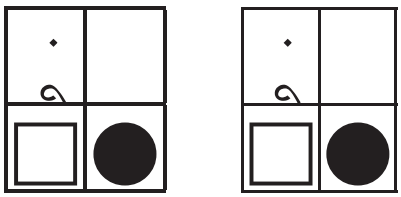

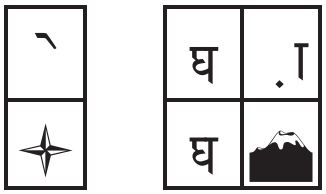

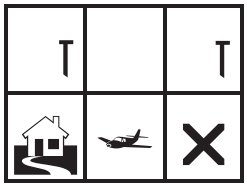

याद करो

स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिस को किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते होते वह सब खमीर हो गया। मत्ती 13:33

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती 6

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती 5

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस
परमेश्वर के राज्य की छान बीन

परमेश्वर की चीज़ें ढूंढों

पदचिन्ह 5

गुप्त खज़ाना और मोती
मत्ती 13:44–46

44 स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने पाकर छिपा दिया, और मारे आनन्द के जाकर और अपना सब कुछ बेचकर उस खेत को मोल लिया।। 45 फिर स्वर्ग का राज्य एक व्योपारी के समान है जो अच्छे मोतियों की खोज में था। 46 जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उस ने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया।।

गुप्त शब्द

धन कौन है? उत्तर जानने के लिए बिन्दुओं को रंग करो)।

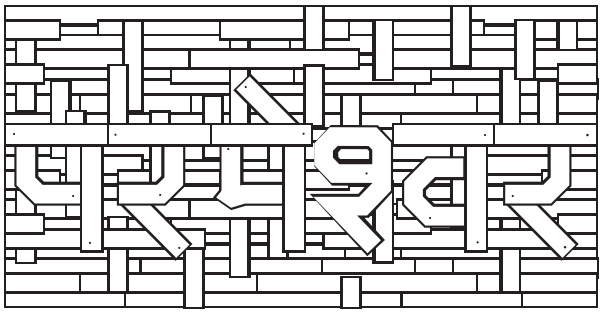

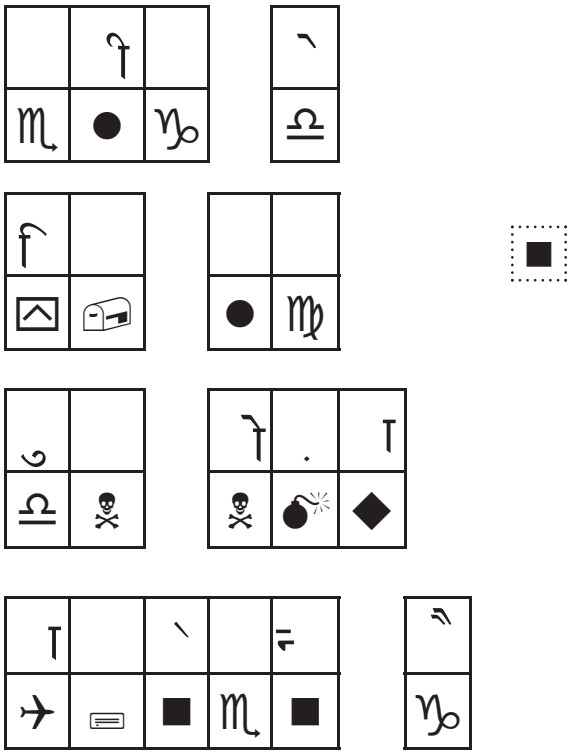

गुप्त संदेश

याद करो

जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उस ने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया।।
मत्ती 13:46

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती 7
☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती 6

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

पदचिन्ह 6

खोई हुई भेड़

मत्ती 18:10—14

10 काना होकर जीवन में प्रवेश करना
तेरे लिये इस से भला है, कि दो आंख
रहते हुए तू नरक की आग में डाला
जाए। 12 तुम क्या समझते हो? यदि
किसी मनुष्य की सौ भेड़ें हों, और उन में
से एक भटक जाए, तो क्या निन्नानवे को
छोड़कर, और पहाड़ों पर जाकर, उस
भटकी हुई को न ढूंढ़ेगा? 13 और यदि
ऐसा हो कि उसे पाए, तो मैं तुम से सच
कहता हूं, कि वह उन निन्नानवे भेड़ों के
लिये जो भटकी नहीं थीं इतना आनन्द
नहीं करेगा, जितना कि इस भेड़ के
लिये करेगा। 14 ऐसा ही तुम्हारे पिता
की जो स्वर्ग में है यह इच्छा नहीं, कि
इन छोटों में से एक भी नाश हो।

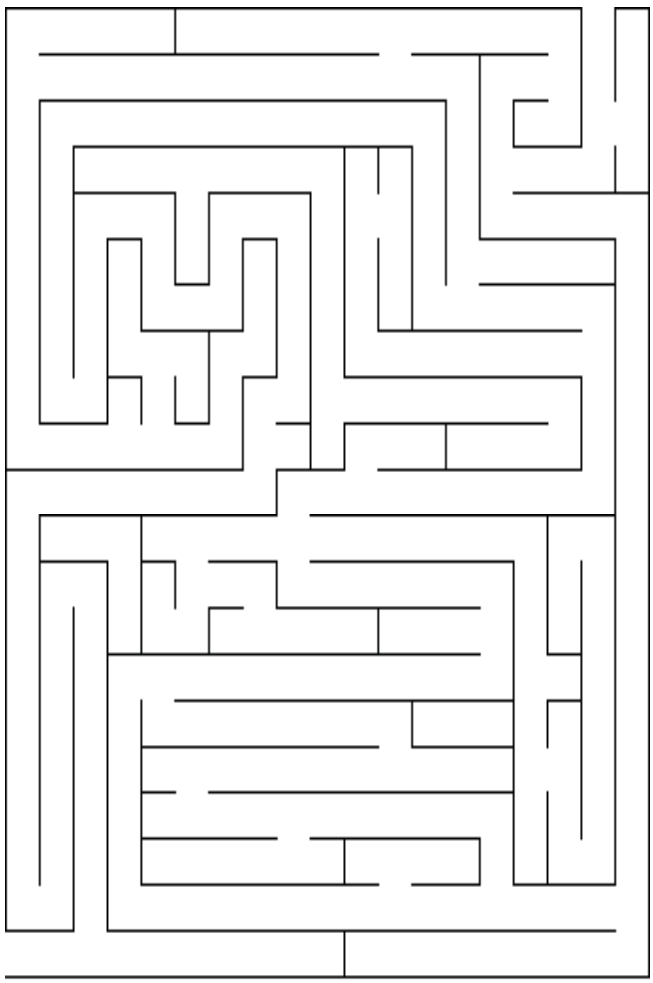

गुप्त संदेश

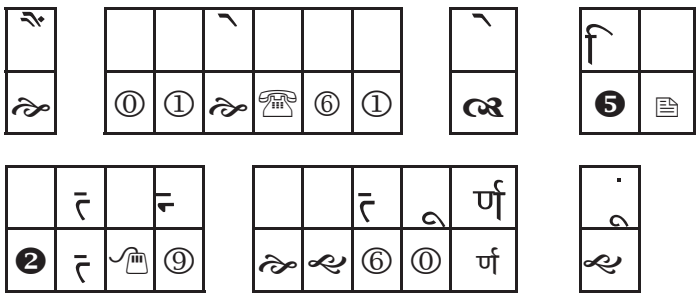

भूलभुलैया

याद करो

कि इन छोटों में से एक भी नाश हो। मत्ती 18:14

परमेश्वर आपसे प्यार करते हैं

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती 8

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती 7

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 7
निर्दयी सेवक
मत्ती 18:21–35

23 इसलिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है,
जिस ने अपने दासों से लेखा लेना चाहा। 24 जब वह
लेखा लेने लगा, तो एक जन उसके साम्हने लाया गया
जो दस हजार तोड़े धारता था। 25 जब कि चुकाने को
उसके पास कुछ न था, तो उसके स्वामी ने कहा, कि
यह और इस की पत्नी और लड़केबाले और जो कुछ
इस का है सब बेचा जाए, और वह कर्ज चुका दिया
जाए। 26 इस पर उस दास ने गिरकर उसे प्रणाम
किया, और कहा; हे स्वामी, धीरज धर, मैं सब कुछ भर
दूंगा। 27 तब उस दास के स्वामी ने तरस खाकर उसे
छोड़ दिया, और उसका धार क्षमा किया। 28 परन्तु जब
वह दास बाहर निकला, तो उसके संगी दासों में से एक
उस को मिला, जो उसके सौ दीनार धारता था; उस ने
उसे पकड़कर उसका गला घोंटा, और कहा; जो कुछ तू
धारता है भर दे। 29 इस पर उसका संगी दास गिरकर,
उस से बिनती करने लगा; कि धीरज धर मैं सब भर
दूंगा। 30 उस ने न माना, परन्तु जाकर उसे बन्दीगृह
में डाल दिया; कि जब तक कर्ज को भर न दे, तब तक
वहीं रहे। 31 उसके संगी दास यह जो हुआ था देखकर
बहुत उदास हुए, और जाकर अपने स्वामी को पूरा हाल
बता दिया। 32 तब उसके स्वामी ने उस को बुलाकर
उस से कहा, हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से बिनती की,
तो मैं ने तो तेरा वह पूरा कर्ज क्षमा किया। 33 सो जैसा
मैं ने तुझ पर दया की, वैसे ही क्या तुझे भी अपने संगी
दास पर दया करना नहीं चाहिए था? 34 और उसके
स्वामी ने क्रोध में आकर उसे दण्ड देनेवालों के हाथ में
सौंप दिया, कि जब तक वह सब कर्जा भर न दे, तब
तक उन के हाथ में रहे।

राजा के सामने घुटने टेककर नौकर ने क्या कहा?

वाक्य को जानने के लिये, नीचे दिये हुए शब्दों मे से पहला और आखिरी शब्द काट दो।

हे ____ — ~~अ~~ हे ~~ब~~

वा ____ — र स्‍ वा मी ए

ज ____ — प धी र ज म

र ____ — ज ध र ल

हमेशा माफ किया करो।

गुप्त संदेश

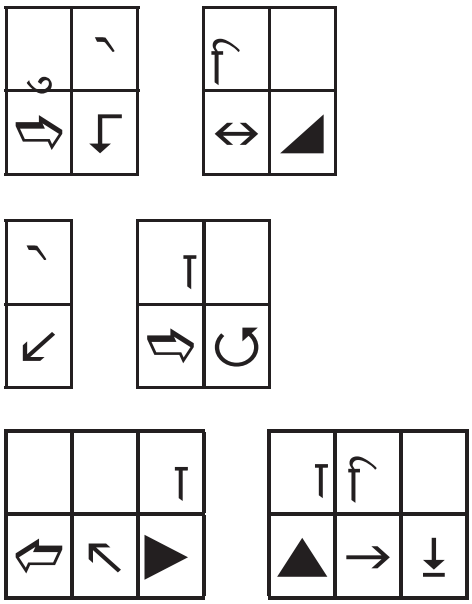

याद करो
सो जैसा मैं ने तुझ पर दया की, वैसे ही क्या तुझे भी अपने संगी दास पर दया करना नहीं चाहिए था? मत्ती 18:33

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *12*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती ***8***

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

चाबी

पदचिन्ह 8

मज़दूर

मत्ती 20:1—16

1 स्वर्ग का राज्य किसी गृहस्थ के समान है, जो सबेरे
निकला, कि अपने दाख की बारी में मजदूरों को लगाए। 2
और उस ने मजदूरों से एक दीनार राज पर ठहराकर, उन्हें
अपने दाख की बारी में भेजा। 3 फिर पहर एक दिन चढ़े,
निकलकर, और औरों को बाजार में बेकार खड़े देखकर,
4 उन से कहा, तुम भी दाख की बारी में जाओ, और जो
कुछ ठीक है, तुम्हें दूंगा; सो वे भी गए। 5 फिर उस ने
दूसरे और तीसरे पहर के निकट निकलकर वैसा ही किया।
6 और एक घंटा दिन रहे फिर निकलकर औरों को खड़े
पाया, और उन से कहा; तु क्यों यहां दिन भर बेकार खड़े
रहे? उन्हों ने उस से कहा, इसलिये, कि किसी ने हमें
मजदूरी पर नहीं लगाया। 7 उस ने उन से कहा, तुम भी
दा,ा की बारी में जाओ। 8 सांझ को दाख बारी के स्वामी
ने अपने भण्डारी से कहा, मजदूरों को बुलाकर पिछलों से
लेकर पहिलों तक उन्हें मजदूरी दे दे। 9 सो जब वे आए,
जो घंटा भर दिन रहे लगाए गए थे, तो उन्हें एक एक
दीनार मिला। 10 जो पहिले आए, उन्हों ने यह समझा,
कि हमें अधिक मिलेगा; परन्तु उन्हें भी एक ही एक दीनार
मिला। 11 जब मिला, तो वह गृहस्थ पर कुडकुड़ा के कहने
लगे। 12 कि इन पिछलों ने एक ही घंटा काम किया,
और तू ने उन्हें हमारे बराबर कर दिया, जिन्हों ने दिन
भर का भार उठाया और घाम सहा?13 उस ने उन में से
एक को उत्तर दिया, कि हे मित्रा, मैं तुझ से कुछ अन्याय
नहीं करता; क्या तू ने मुझ से एक दीनार न ठहराया? 14
जो तेरा है, उठा ले, और चला जा; मेरी इच्छा यह है कि
जितना तुझे, उतना ही इस पिछले को भी दूं। 15 क्या
उचित नहीं कि मं अपने माल से जो चाहूं सो करूं? क्या तू
मेरे भले होने के कारण बुरी दृष्टि से देखता है? 16 इसी
रीति से जो पिछले हैं, वह पहिले होंगे, और जो पहिले हैं,
वे पिछले होंगे।।

गुप्त संदेश

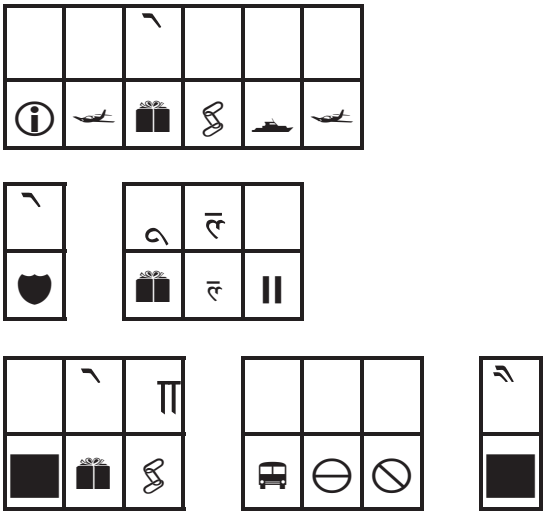

संदेश को खोजने के लिए शब्दों को जोड़ें। (अक्षर क्रम से बाहर हैं। आप एक अक्षर का उपयोग करें और उसके बाद उस पर क्रॉस लगाएं।)

जी ______ ह ______
न ~~जी~~ व — मे ~~ह~~ शा

स ______ न ______ हो ______
ल र ~~स~~ — हीं ~~न~~ — ता ~~हों~~

याद करो

जो पिछले हैं वह पहिले होंगे, और जो पहिले हैं, वे पिछले होंगे। मत्ती 20:16

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती 15

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती 12

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

जासूस

परमेश्वर के राज्य की छान बीन

पदचिन्ह 9

दो पुत्र

मत्ती 21:28—32

28 तुम क्या समझते हो? किसी मनुष्य के दो
पुत्र थे; उस ने पहिले के पास जाकर कहा;
हे पुत्र आज दाख की बारी में काम कर। 29
उस ने उत्तर दिया, मैं नहीं जाऊंगा, परन्तु
पीछे पछता कर गया। 30 फिर दूसरे के पास
जाकर ऐसा ही कहा, उस ने उत्तर दिया, जी
हां जाता हूं, परन्तु नहीं गया। 31 इन दोनों में
से किस ने पिता की इच्छा पूरी की? उन्हों ने
कहा, पहिले ने: यीशु ने उन से कहा, मैं तुम
से सच कहता हूं, कि महसूल लेनेवाले और
वेश्या तुम से पहिले परमेश्वर के राज्य में प्रवेश
करते हैं। 32 क्योंकि यूहन्ना धर्म के मार्ग से
तुम्हारे पास आया, और तुम ने उस की प्रतीति
न की: पर महसूल लेनेवालों और वेश्याओं ने
उस की प्रतीति की: और तुम यह देखकर पीछे
भी न पछताए कि उस की प्रतीति कर लेते।।

याद करो

और तुम यह देखकर पीछे भी न पछताए कि उस की प्रतीति कर लेते।
मत्ती 21:32

♍

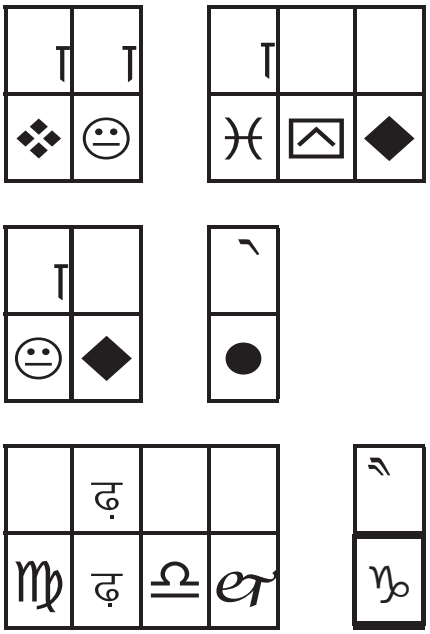

गुप्त संदेश

चाबी

भूलभुलैया

दो बेटों को खेत में जाने में सहायता करो।

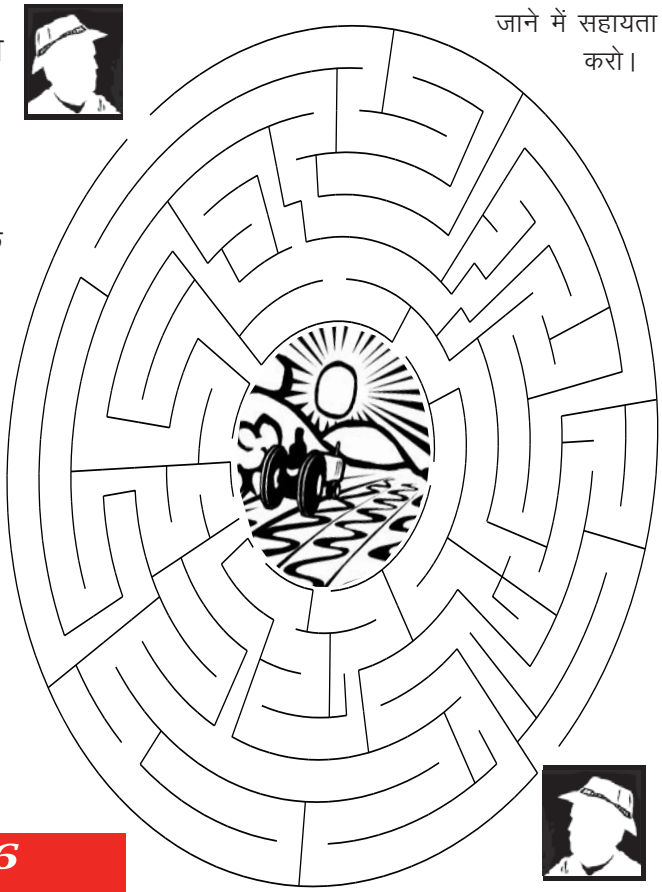

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *16*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती *15*

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 10

किसान

मत्ती 21:33–45

33एक और दृष्टान्त सुनोः एक गृहस्थ था, जिस ने
दाख की बारी लगाई; और उसके चारों ओर बाड़ा बान्ध
ा; और उस मे रस का कुंड खोदा; और गुम्मट बनाया;
और किसानों को उसका ठीका देकर परदेश चला गया।
34 जब फल का समय निकट आया, तो उस ने अपने
दासों को उसका फल लेने के लिये किसानों के पास
भेजा। 35 पर किसानों ने उसके दासों को पकड़ के,
किसी को पीटा, और किसी को मार डाला; और किसी को
पत्थरवाह किया। 36 फिर उस ने और दासों को भेजा,
जो पहिलों से अधिक थे; और उन्हों ने उन से भी वैसा
ही किया। 37 अन्त में उस ने अपने पुत्र को उन के पास
यह कहकर भेजा, कि वे मेरे पुत्र का आदर करेंगे। 38
परन्तु किसानों ने पुत्र को देखकर आपस में कहा, यह तो
वारिस है, आओ, उसे मार डालें: और उस की मीरास ले
लें। 39 और उन्हों ने उसे पकड़ा और दाख की बारी से
बाहर निकालकर मार डाला। 40 इसलिये जब दाख की
बारी का स्वामी आएगा, तो उन किसानों के साथ क्या
करेगा? 41 उन्होंने उस से कहा, वह उन बुरे लोगों को
बुरी रीति से नाश करेगा; और दाख की बारी का ठीका
और किसानों को देगा, जो समय पर उसे फल दिया
करेंगे। 42 यीशु ने उन से कहा, क्या तुम ने कभी पवित्र
शास्त्रा में यह नहीं पढ़ा, कि जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों
ने निकम्मा ठहराया था, वही कोने के सिरे का पत्थर हो
गया? 43 यह प्रभु की ओर से हुआ, और हमारे देखते में
अद्भुत है, इसलिये मैं तुम से कहता हूं, कि परमेश्वर का
राज्य तुम से ले लिया जाएगा; और ऐसी जाति को जो
उसका फल लाए, दिया जाएगा।

शब्द ढूंढ़ों

③

बे	व	म	प	म	त	प
टा	अं	गू	र	र	व	पि
प	व	त	मे	इ	र	ता
म	र	प	श	बु	रा	ई
व	इ	व	व	व	र	म
क	नौ	क	र	इ	का	म
म	व	रो	ट	प	व	ज

नौकर
पिता
अंगूर
परमेश्वर
काम
बुराई
करो
बेटा

गुप्त संदेश

याद करो

कि परमेश्वर का राज्य तुम से ले लिया जाएगा; और ऐसी जाति को जो उसका फल लाए, दिया जाएगा। मत्ती 21:43

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *18*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती ***16***

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पदचिन्ह 11

विवाह भोज

मत्ती 22:1–14

2 स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिस ने
अपने पुत्र का ब्याह किया। 3 और उस ने अपने दासों
को भेजा, कि नेवताहारियों को ब्याह के भोज में बुलाएं;
परन्तु उन्हों ने आना न चाहा। 4 फिर उस ने और
दासों को यह कहकर भेजा, कि नेवताहारियों से कहो,
देखो; मैं भोज तैयार कर चुका हूं, और मेरे बैल और
पले हुए पशु मारे गए हैं: और सब कुछ तैयार है; ब्याह
के भोज में आओ। 5 परन्तु वे बेपरवाई करके चल
दिए: कोई अपने खेत को, कोई अपने ब्योपार को। 7
राजा ने क्रोध किया, और अपनी सेना भेजकर उन
हत्यारों को नाश किया, और उन के नगर फूंक दिया।
8 तब उस ने अपने दासों से कहा, ब्याह का भोज तो
तैयार है, परन्तु नेवताहारी योग्य न ठहरे। 9 इसलिये
चौराहों में जाओ, और जितने लोग तुम्हें मिलें, सब को
ब्याह के भोज में बुला लाओ। 10 सो उन दासों ने
सड़कों पर जाकर क्या बुरे, क्या भले, जितने मिले, सब
को इकट्ठे किया; और ब्याह का घर जेवनहारों से भर
गया।

याद करो

सब को ब्याह के भोज में बुला लाओ।
सो उन दासों ने सड़कों पर जाकर क्या बुरे, क्या भले, जितने मिले, सब को इकट्ठे किया; और ब्याह का घर जेवनहारों से भर गया। मत्ती 22:9–10

मछुआरे की मदद करो कि वह मछली को छोड़कर, शादी में जाएं।

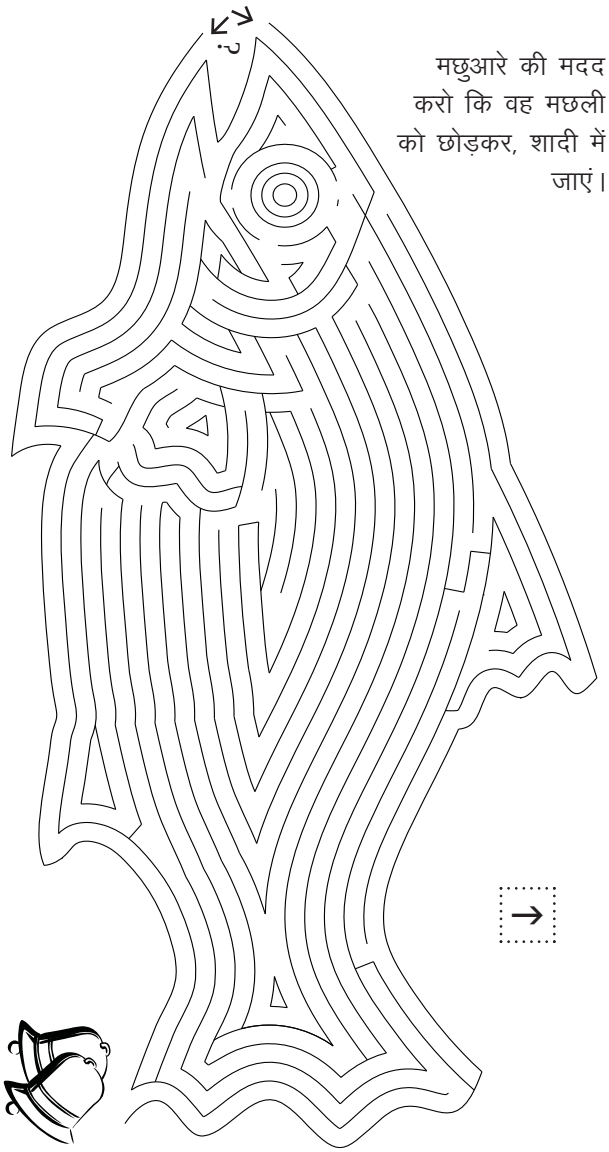

गुप्त संदेश

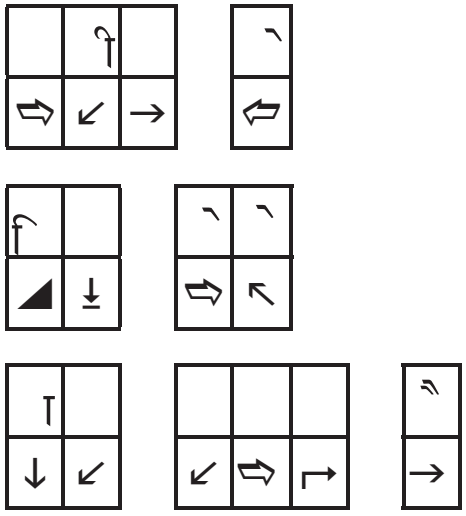

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती 26

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती 18

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

कुंजी

पदचिन्ह 12

दस कुंवारियां

मत्ती 25:1—13

तब स्वर्ग का राज्य उन दस कुंवारियों के समान होगा जो अपनी मशालें लेकर दूल्हे से भेंट करने को निकलीं। 2 उन में पांच मूर्ख और पांच समझदार थीं। 3 मूर्खों ने अपनी मशालें तो लीं, परन्तु अपने साथ तेल नहीं लिया। 4 परन्तु समझदारों ने अपनी मशालों के साथ अपनी कुप्पियों में तेल भी भर लिया। 5 जब दुल्हे के आने में देर हुई, तो वे सब ऊंघने लगीं, और सो गई। 6 आधी रात को धूम मची, कि देखो, दूल्हा आ रहा है, उस से भेंट करने के लिये चलो। 7 तब वे सब कुंवारियां उठकर अपनी अपनी मशलें ठीक करने लगीं। 8 और मूर्खों ने समझदारों से कहा, अपने तेल में से कुछ हमें भी दो, क्योंकि हमारी मशालें बुझी जाती हैं। 9 परन्तु समझदारों ने उत्तर दिया कि कदाचित हमारे और तुम्हारे लिये पूरा न हो; भला तो यह है, कि तुम बेचनेवालों के पास जाकर अपने लिये मोल ले लो। 10 जब वे मोल लेने को जा रही थीं, तो दूल्हा आ पहुंचा, और जो तैयार थीं, वे उसके साथ ब्याह के घर में चलीं गई और द्वार बन्द किया गया। 11 इसके बाद वे दूसरी कुंवारियां भी आकर कहने लगीं, हे स्वामी, हे स्वामी, हमारे लिये द्वार खोल दे। 12 उस ने उत्तर दिया, कि मैं तुम से सच कहता हूं, मैं तुम्हें नहीं जानता। 13 इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम न उस दिन को जानते हो, न उस घड़ी को।।

शब्द ढूंढ़ों

ड	ट	मू	र्ख	इ	ट	ल	बु
न	इ	द	प	म	ज्ञ	प	द्धि
प	य	ल	पाँ	च	म	ज्ञ	मा
म	ल	ड़	कि	याँ	दु	ल्ह	न
दी	छ	न	प	य	ल्हा	ड	ल
प	म	य	द	स	छ	ड	म
क	य	इ	द	ल	ते	ल	य
ड	द	ट	ल	छ	द	प	म

दस — तेल — पाँच
लड़कियाँ — दुल्हा — बुद्धिमान
दीपक — दुल्हन — मूर्ख

गुप्त संदेश

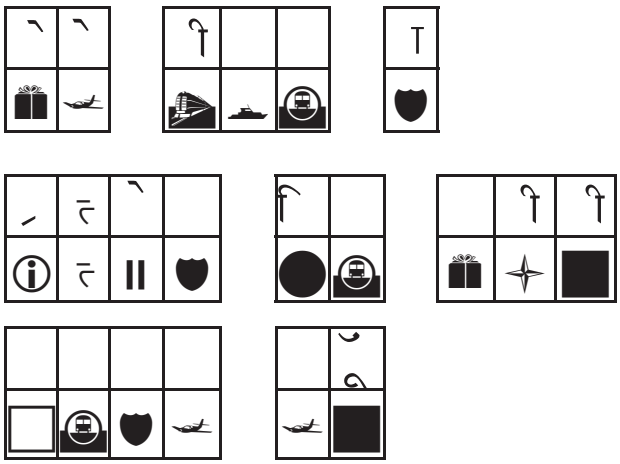

याद करो

इसलिये जागते रहो, क्योंकि तुम न उस दिन को जानते हो, न उस घड़ी को। मत्ती 25:13

गृह कार्य : पढ़ों मत्ती *28*

☐ पूरा पढ़ लिया है मत्ती ***26***

www.ChildrenAreImportant.com – Children’s ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

चाबी →

पदचिन्ह 13

सोने के सिक्के

मत्ती 25:14–30

14 क्योंकि यह उस मनुष्य की सी दशा है जिस ने परदेश
को जाते समय अपने दासों को बुलाकर, अपनी संपत्ति उन
को सौंप दी। 15 उस ने एक को पांच तोड़, दूसरे को दो,
और तीसरे को एक; अर्थात् हर एक को उस की सामर्थ के
अनुसार दिया, और तब परदेश चला गया। 16 तब जिस को
पांच तोड़े मिले थे, उस ने तुरन्त जाकर उन से लेन देन
किया, और पांच तोड़े और कमाए। 17 इसी रीति से जिस
को दो मिले थे, उस ने भी दो और कमाए। 18 परन्तु जिस
को एक मिला था, उस ने जाकर मिट्टी खोदी, और अपने
स्वामी के रूपये छिपा दिए। 19 बहुत दिनों के बाद उन
दासों का स्वामी आकर उन से लेखा लेने लगा। 20 जिस
को पांच तोड़े मिले थे, उस ने पांच तोड़े और लाकर कहा;
हे स्वामी, तू ने मुझे पांच तोड़े सौंपे थे, देख मैं ने पांच तोड़े
और कमाए हैं। 21 उसके स्वामी ने उससे कहा, धन्य है
अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा;
मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा अपने स्वामी के
आनन्द में सम्भागी हो। 22 और जिस को दो तोड़े मिले थे,
उस ने भी आकर कहा; हे स्वामी तू ने मुझे दो तोड़े सौंपे
थे, देख, मैं ने दो तोड़े और कमाएं। 23 उसके स्वामी ने
उस से कहा, धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े
में विश्वासयोग्य रहा, मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी
बनाऊंगा अपने स्वामी के आनन्द में सम्भागी हो। 24 तब
जिस को एक तोड़ा मिला था, उस ने आकर कहा; हे स्वामी,
मैं तुझे जानता था, कि तू कठोर मनुष्य है, और जहां नहीं
छीटता वहां से बटोरता है। 25 सो मैं डर गया और जाकर
तेरा तोड़ा मिट्टी में छिपा दिया; देख, जो तेरा है, वह यह
है। 26 उसके स्वामी ने उसे उत्तर दिया, कि हे दुष्ट और
आलसी दास; जब यह तू जानता था, कि जहां मैं ने नहीं
बोया वहां से काटता हूं; और जहां मैं ने नहीं छीटा वहां से
बटोरता हूं।

संदेश को खोजने के लिए शब्दों को जोड़ें।

यी ______ (शु यी)
आ ______ (प आ को)
खा ______ (ली खा)

बै ______ (ठे बै)
हु ______ (ए हु)
औ ______ (र औ)

कु ______ (छ कु)
भी
न ______ (हीं न)
क ______ (ते क र)

हु ______ (ए हु)
ना
पा ______ (एं पा)

गुप्त संदेश

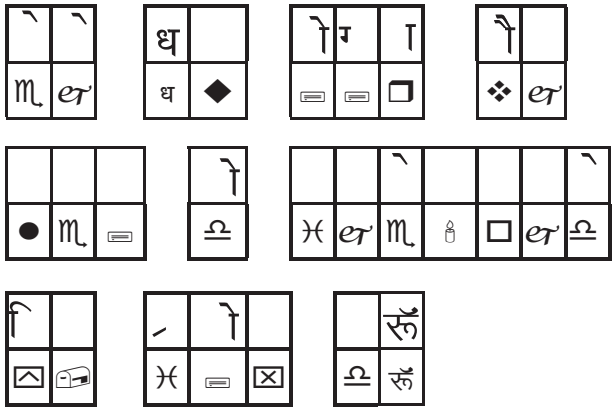

याद करो

उसके स्वामी ने उससे कहा, धन्य है अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा अपने स्वामी के आनन्द में सम्भागी हो। मत्ती 25:21

चाबी

पूरा पढ़ लिया है मत्ती 28

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

चाबी

कोड

Detectives Difficult
Hindi

10631

www.ChildrenAreImportant.com
info@childrenareimportant.com
We are located in Mexico.
DK Editorial Pro-Visión A.C.

बच्चें
महत्वपूर्ण है